

---

chandrastotram



चन्द्रस्तोत्रम्



## Document Information



---

Text title : chandrastotram 1

File name : chandrastotram.itx

Category : navagraha

Location : doc\_z\_misc\_navagraha

Proofread by : PSA Easwaran psawaswaran at gmail.com

Description/comments : BhaktivivekasAra

Latest update : November 18, 2018

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---


Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 30, 2023

*sanskritdocuments.org*

---



---

chandrastotram

चन्द्रस्तोत्रम्



नमश्चन्द्रमसे ॥

नमश्चन्द्राय सोमायेन्दवे कुमुदबन्धवे ।

विलोडिताय शुभ्राय शुक्लाम्बरधराय च ॥ १ ॥

त्वमेव सर्वलोकानामाध्यायनकरः सद्यः ।

क्षीरोद्भववाय देवाय नमः शङ्करशेखर ॥ २ ॥

युगानां युगकर्ता त्वं निशानाथो निशाकरः ।

संवत्सराणां मासानामृतूनां तु तथैव च ॥ ३ ॥

अडाणां च त्वमेकोऽसि सौम्यः सोमकरः प्रभुः ।

ओषधीपतये तुभ्यं रोडिणीपतये नमः ॥ ४ ॥

एतं तु पठते स्तोत्रं प्रातरुत्थाय यो नरः ।

दिवो वा यद्वि वा रात्रौ बद्धचित्तो हि यो नरः ॥ ५ ॥

न भयं विद्यते तस्य कार्यसिद्धिर्भविष्यति ।

अडोरान्नकृतं पापं पठनादेव नश्यति ॥ ६ ॥

द्विजराजो मडापुण्यस्तारापतिर्विशेषतः ।

ओषधीनां च यो राजा स सोमः प्रीयतां मम ॥ ७ ॥

एति चन्द्रस्तोत्रं सम्पूर्णात् ।

Proofread by PSA Easwaran



chandrastotram

pdf was typeset on August 30, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

